

---

shrILaxmI-Nrisinha Pancharatna Stotra

श्रीलक्ष्मीनृसिंहपञ्चरत्नस्तोत्रम्

Document Information

---

Text title : lakshmiinRisi.nhapancharatnam

File name : laxm-nri.itx

Category : pancharatna, vishhnu, dashAvatAra, shankarAchArya, vishnu

Location : doc\_vishhnu

Author : Shankaracharya

Latest update : December 1, 1999

Send corrections to : sanskrit at cheerful dot c om

---

This text is prepared by volunteers and is to be used for personal study and research. The file is not to be copied or reposted without permission, for promotion of any website or individuals or for commercial purpose.

**Please help to maintain respect for volunteer spirit.**

---

Please note that proofreading is done using Devanagari version and other language/scripts are generated using **sanscript**.

---

February 5, 2025

*sanskritdocuments.org*

---

## श्रीलक्ष्मीनृसिंहपञ्चरत्नस्तोत्रम्



ह्रीगणेशाय नमः ।

त्वत्प्रभुजीवप्रियमिच्छसि चेन्नरहरिपूजां कुरु सततं  
प्रतिबिम्बालंकृतिघृतिकुशलो बिम्बालंकृतिमातनुते ।  
चेतोभृङ्ग भ्रमसि वृथा भवमरुभूमौ विरसायां  
भज भज लक्ष्मीनरसिंहानघपदसरसिजमकरन्दम् ॥ १ ॥

शुक्लौ रजतप्रतिभा जाता कतकाद्यर्थसमर्था चे-  
दुःखमयी ते संसृतिरेषा निर्वृतिदाने निपुणा स्यात् ।  
चेतोभृङ्ग भ्रमसि वृथा भवमरुभूमौ विरसायां  
भज भज लक्ष्मीनरसिंहानघपदसरसिजमकरन्दम् ॥ २ ॥

आकृतिसाम्याच्छाल्मलिकुसुमे स्थलनलिनत्वभ्रममकरोः  
गन्धरसाविह किमु विद्येते विफलं भ्राम्यसि भृशविरसेस्मिन् ।  
चेतोभृङ्ग भ्रमसि वृथा भवमरुभूमौ विरसायां  
भज भज लक्ष्मीनरसिंहानघपदसरसिजमकरन्दम् ॥ ३ ॥


स्रक्कन्दनवनितादीन्विषयान्सुखदान्मत्वा तत्र विहरसे  
गन्धफलीसदृशा ननु तेमी भोगानन्तरदुःखकृतः स्युः ।  
चेतोभृङ्ग भ्रमसि वृथा भवमरुभूमौ विरसायां  
भज भज लक्ष्मीनरसिंहानघपदसरसिजमकरन्दम् ॥ ४ ॥


तव हितमेकं वचनं वक्ष्ये शृणु सुखकामो यदि सततं  
स्वप्ने दृष्टं सकलं हि मृषा जाग्रति च स्मर तद्ददिति ।  
चेतोभृङ्ग भ्रमसि वृथा भवमरुभूमौ विरसायां  
भज भज लक्ष्मीनरसिंहानघपदसरसिजमकरन्दम् ॥ ५ ॥

इति श्रीमत्परमहंसपरिव्राजकाचार्यस्य  
श्री गोविन्द भगवत्पूज्यपाद शिष्यस्य  
श्रीमच्छंकर भगवतः कृतौ

लक्ष्मीनृसिंह पञ्चरत्नं सम्पूर्णम् ॥

---

——  
*shrILaxmI-Nrisinha Pancharatna Stotra*  
pdf was typeset on February 5, 2025

——  
Please send corrections to [sanskrit@cheerful.com](mailto:sanskrit@cheerful.com)

